

Padma Shri



SHRI VIRENDER SINGH

Shri Virender Singh is a deaf wrestler who has had an illustrious career over the last 2 decades. In every international sojourn where he has represented India, he has won medals and made the country proud. He never let the hurdles and challenges before him to diminish his undying dedication to the sport of wrestling and today he stands as India's most accomplished differently abled athlete ever.

2. Born on 1st April, 1986, Shri Virender Singh has been to 4 Deaflympics (Olympics for the Deaf) events and has three Golds and a Bronze from these events. He first represented India at the 2005 Melbourne Deaflympics and in his maiden outing bagged a Gold Medal. He then won a Bronze Medal at the 2009 Taipei Deaflympics. In 2013, he represented India again at the Sofia (Bulgaria) Deaflympics and won another Gold Medal. He followed this up with yet another Gold Medal 4 years later at the 2017 Samsun (Turkey) Deaflympics.

3. Shri Virender Singh has also represented India at Deaf World Championships thrice and has won a medal each time. He won a Silver Medal at the 2008 event held in Yerevan, Armenia. He went on to win a Bronze Medal at the 2012 Sofia (Bulgaria) and followed this up with a Gold Medal at the 2016 Deaf World Championships.

4. Shri Virender Singh is very highly regarded in the Dangals that are organized in many parts of North India. Today, he has been a household name and is very popular among the masses. He has also been the subject of a national award winning documentary film called Goonga Pehelwan.

5. Shri Virender Singh has received various honours and awards including Arjuna Award in the year 2016; Rajiv Gandhi State Sports Award (2008); National Disability Award, 2016 etc.



श्री विरेन्द्र सिंह

श्री विरेन्द्र सिंह एक बधिर पहलवान हैं, और उनका पिछले दो दशक के दौरान शानदार खेल करियर रहा है। उन्होंने जिस भी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व किया है, उसमें पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कुश्ती के खेल के प्रति अपनी अदम्य निष्ठा की राह में आने वाली बाधाओं और चुनौतियों को कभी आड़े नहीं नहीं दिया और आज उन्हें भारत का अब तक का सबसे उत्कृष्ट दिव्यांग खिलाड़ी माना जाता है।

2. 1 अप्रैल, 1986 को जन्मे श्री विरेन्द्र सिंह ने 4 बधिर (बधिर ओलंपिक) स्पर्धाओं में भाग लिया है और वह इन स्पर्धाओं में तीन स्वर्ण और एक कांस्य पदक अपने नाम कर चुके हैं। उन्होंने पहली बार 2005 के मेलबर्न बधिर ओलम्पिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया और अपना पहला स्वर्ण पदक जीता। इसके बाद, उन्होंने 2009 के ताइपे बधिर ओलम्पिक में कांस्य पदक जीता। 2013 में, उन्होंने एक बार फिर सोफिया (बुल्गारिया) बधिर ओलम्पिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया और एक स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने चार वर्ष के बाद 2017 के सैमसन (तुर्की) बधिर ओलम्पिक में एक और स्वर्ण पदक जीता।

3. श्री विरेन्द्र सिंह तीन बार बधिर विश्व चैंपियनशिप में भी भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और हर बार उन्होंने पदक अर्जित किया है। उन्होंने 2008 में आर्मेनिया के येरेवन में आयोजित स्पर्धा में रजत पदक जीता था। उन्होंने 2012 में सोफिया (बुल्गारिया) में कांस्य पदक जीता और इसके बाद 2016 में बधिर विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।

4. श्री विरेन्द्र सिंह को उत्तर भारत के कई हिस्सों में आयोजित दंगलों में ऊंची प्रतिष्ठा प्राप्त है। आज उनका नाम घर-घर जाना जाता है और वह जनता के बीच काफी लोकप्रिय हैं। उन पर "गूंगा पहलवान" नामक राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता वृत्तचित्र फिल्म बन चुकी है।

5. श्री विरेन्द्र सिंह को विभिन्न सम्मान और पुरस्कार प्रदान किए गए हैं, जिनमें वर्ष 2008 में राजीव गांधी राज्य खेल पुरस्कार, वर्ष 2016 में अर्जुन पुरस्कार और राष्ट्रीय विकलांगता पुरस्कार आदि शामिल हैं।